

रूसी तेल पर भारत को 100: टैरिफ का खतरा



भारतार्थ खबर
Bhaaratarth-com
नई दिल्ली, 17 सितंबर 2026 ।
रूस से कच्चे तेल की खरीद को
लेकर भारत के सामने अमेरिकी
व्यापारिक दबाव बढ़ गया है । अमेरिकी

UPI पर नया नियम

भारतार्थ खबर संवाददाता अशोक कुमार सिंह [Bhaaratarth.com](https://www.bhaaratarth.com)
नई दिल्ली, 17 सितंबर 2026 ।
यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) से भुगतान करने वाले करोड़ों उपयोगकर्ताओं और कारोबारियों के लिए 15 अक्टूबर 2026 से नया शुल्क ढांचा लागू होने जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) के नए प्रावधान के तहत चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट (P2M) UPI लेनदेन में 2,000 से अधिक की राशि पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लागू होगा। हालांकि, यह शुल्क ग्राहक से सीधे नहीं लिया जाएगा। ग्राहक के लिए UPI भुगतान रहेगा मुफ्त। नए नियम को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सामान्य पर्सन-टू-पर्सन (P2P) UPI ट्रांसफर पर शुल्क नहीं लगेगा। इसी तरह 2,000 तक के पाय मर्चेंट भुगतान भी डक के दायरे से बाहर रहेंगे। NPCI के अनुसार UPI ऐप ग्राहकों से अलग प्लेटफॉर्म शुल्क नहीं ले सकेंगे और मर्चेंट भी डक का शुल्क ग्राहक पर

प्रतिनिधि सभा ने रूस और ईरान पर प्रतिबंधों से संबंधित लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' को 262-159 मतों से मंजूरी दे दी है। विधेयक में रूस से तेल और प्राकृतिक गैस खरीदने वाले

नहीं डाल सकेंगे। 300 होगी अधिकतम MDR सीमा 2,000 से अधिक और 75,000 से कम के पात्र सामान्य मर्चेंट

बड़ी खबर 15 अक्टूबर 2026 से लागू

₹2,000 से ज्यादा UPI भुगतान पर लेनदेन 0.4%

जॉयन्ट आरके लिमिटेड क्या बदल रहे हैं?

UPI जारी है - प्रारंभिक भी

लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत खदक लागू होगा। 75,000 या उससे अधिक के लेनदेन पर MDR की अधिकतम सीमा 300 प्रति लेनदेन रखी गई है। उदाहरण के तौर पर 5,000 के पात्र भुगतान पर MDR 20 और 50,000 के भुगतान पर 200 होगा, जबकि 75,000 या उससे अधिक के लेनदेन पर अधिकतम 300 MDR लागू होगा। छोटे कारोबारियों को राहत न दौंचे म पात्र छोटे व्यापारियों को भी राहत दी

देशों पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ लगाने का अधिकार राष्ट्रपति को देने का प्रावधान है। भारत पर क्यों बढ़ा दबाव विधेयक का प्राधान्य रूस से ऊर्जा आयात करने वाले प्रमुख देशों को अतिरिक्त शुल्क के दायरे में ला सकता है। भारत और चीन जैसे रूस के बड़े ऊर्जा खरीदारों पर इसका समाप्ति असर देखा जा रहा है। हालांकि, 100 प्रतिशत टैरिफ अपने आप लागू नहीं हो जाते। कानून बनने के बाद राष्ट्रपति को उपलब्ध अधिकारों में संबंधित शर्तों के आधार पर आगे निर्णय लेना होगा। विधेयक के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार, पात्र देशों पर लगाए जाने वाले अतिरिक्त शुल्क की सीमा 100 प्रतिशत तक हो सकती है। संबंधित देशों की स्थिति की समय-समय पर समीक्षा का भी प्रावधान है। भारत के लिए ऊर्जा और व्यापार की चुनौतियाँ रूस भारत के प्रमुख कच्चे तेल आपूर्तिकर्ताओं में शामिल है। उपलब्ध

आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने रूस से करीब 40.8 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया, जो भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 30 प्रतिशत था। ऐसे में अमेरिकी व्यापारिक कदम का प्रभाव केवल ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित न रहकर भारत-अमेरिका व्यापार पर भी पड़ सकता है। भारत के विदेश मंत्रालय ने पहले स्पष्ट किया है कि देश की ऊर्जा खरीद संबंधी नीतियां राष्ट्रीय हित और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर तय की जाती हैं। मौजूदा घटनाक्रम में भारत के लिए ऊर्जा आपूर्ति, कीमती और प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ संबंधों के बीच संतुलन महत्वपूर्ण बना हुआ है। रूस के ऊर्जा क्षेत्र और 'शेडो फ्लोट' पर भी कार्रवाई विधेयक में रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों पर प्रतिबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ प्रतिबंधों से बचने में मदद करने वाले जहाजों और नेटवर्क के खिलाफ

कार्वार्वाई का प्रावधान भी शामिल है। इसका व्यापक उद्देश्य रूस की ऊर्जा आय और उससे जुड़े व्यापारिक नेटवर्क पर दबाव बढ़ाना है। अब आगे क्या? प्रतिनिधि सभा से पारित होने के बाद विधेयक राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की प्रक्रिया की ओर बढ़ गया है। हालांकि, कानून बनने के बाद भी भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ तुरंत और अनिवार्य रूप से लागू होगा, ऐसा नहीं है। वास्तविक शुल्क, उसका दायरा और लागू करने का समय अमेरिकी प्रशासन के आगे के निर्णय तथा कानून में निर्धारित शर्तों पर निर्भर करेगा। रूस से तेल खरीद के मुद्दे पर भारत के लिए अमेरिकी दबाव बढ़ा है, लेकिन इस वर्तमान में सीधे लागू हो चुके 100 प्रतिशत टैरिफ के रूप में देखना सही नहीं होगा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने विधेयक पारित किया है, आगे कानून लागू होने और प्रशासनिक निर्णयों के बाद ही भारत पर वास्तविक प्रभाव स्पष्ट होगा।

राशि दागुना, अब 6 हजार महाना

भारतार्थ खबर अशोक कुमार
सिंह Bhaaratarth.com
नई दिल्ली, 17 सितंबर 2026 ।

दिल्ली में कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं के लिए सरकार ने प्रोत्साहन राशि बढ़ाने का फैसला किया है। दिल्ली मंत्रिपरिषद ने निर्धारित मासिक प्रोत्साहन को 3,000 से बढ़ाकर 6,000 करने की मंजूरी दी है। यह बढ़ोतरी राजधानी में वर्तमान में कार्यरत सभी आशा कार्यकर्ताओं पर लागू होगी। सरकार के इस निर्णय से दिल्ली में काम कर रही करीब 6,725 आशा कार्यकर्ताओं को सीधे लाभ मिलने की बात कही गई है। मौजूदा व्यवस्था के तहत मिलने वाले अन्य प्रोत्साहन और उपलब्ध

कार्यकर्ता समुदाय और प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करती हैं। उनका कार्य मुख्य रूप से लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के प्रति जागरूक करने से

पुछा है। आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने, टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा गर्भवती महिलाओं और नवजात माताओं से संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग करती हैं। इसके अलावा वे समुदाय और स्वास्थ्य केंद्रों के बीच स्पर्क स्थापित करने में भी भूमिका निभाती हैं। आर्थिक सुख्खा को मजबूत करने का उद्देश्य सरकार के अनुसार, मासिक प्रोत्साहन राशि बढ़ाने का उद्देश्य आशा कार्यकर्ताओं की आर्थिक सुख्खा को मजबूत करना और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में उनके योगदान को समर्थन देना है। 3,000 से 6,000 की बढ़ोतरी के बाद निर्धारित मासिक प्रोत्साहन राशि में 100 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इससे आशा कार्यकर्ताओं के लिए नियमित प्रोत्साहन के स्तर पर अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध होगी।

UPI पर नया नियम, 2,000 से ऊपर मर्चेट भुगतान पर MDR अरब सागर में भारत-पाक नौसैनिक टक्कर



भारतार्थ खबर संवाददाता अशोक कुमार सिंह Bhaaraarth.com
नई दिल्ली, 17 सितंबर 2026

उत्तरी अरब सागर में 15 सितंबर की शाम भारतीय नौसेना के एक युद्धपोत और पाकिस्तान नौसेना के एक जहाज टकरा के बीच टक्कर के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक स्तर पर विरोध दर्ज कराया गया है। भारत में नई दिल्ली

में पाकिस्तान के चार्ज डी अफेयर्स को तलब कर घटना पर कड़ा विरोध जताया। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, घटना अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुई और इसमें कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। भारत का कहना है कि पाकिस्तानी नौसैनिक इराई के संचालन के तरीके से टक्कर की स्थिति बनी और यह 1961 में दोनों

देशों के बीच हुए सैन्य गतिविधियों संबंधी समझौते के अनुच्छेद 10 के अनुरूप नहीं था। भारत ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए समुद्री गतिविधियों के दौरान उचित सावधानी बरतने और संबंधित समझौतों का पालन करने की जरूरत बताई है। पाकिस्तान ने भारत पर लगाए अलग आरोप घटना को लेकर पाकिस्तान का पक्ष अलग है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, उसकी नौ सेना SEASPARK-26 अभ्यास कर रही थी, इसी दौरान भारतीय नौसैनिक जहाज ने पाकिस्तानी जहाज के बेहद करीब आकर कथित रूप से आक्रामक तरीके से संचालन किया, जिसके बाद दोनों जहाजों के बीच संपर्क हुआ। पाकिस्तान ने घटना का ओं अंतरराष्ट्रीय कानून और 1991 के द्विपक्षीय समझौते से जुड़ा मामला बताते हुए भारत के खिलाफ भी औपचारिक विरोध दर्ज कराया। इस प्रकार एटकार के कारण और समुद्री स्थिति को लेकर दोनों देशों के द्विपक्षीय समझौते से जुड़ा मामला बताते हुए भारत के खिलाफ भी औपचारिक विरोध दर्ज कराया। इस प्रकार एटकार के कारण और समुद्री स्थिति को लेकर दोनों देशों के

आधिकारिक दावे एक-दूसरे से अलग हैं। उपलब्ध सार्वजनिक जानकारी के आधार पर घटना की जिम्मेदारी को लेकर दोनों पक्षों के आरोपों को अलग-अलग देखना महत्वपूर्ण है। भारत ने इस्लामाबाद में भी दर्ज कारवाय विरोध नई दिल्ली में पाकिस्तानी राजनयिक को तलब करने के साथ भारत ने इस्लामाबाद स्थित अपने चार्ज डी अप्फेंसर्स को भी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष समान विरोध दर्ज कराने का निर्देश दिया। भारत ने संबंधित पाकिस्तानी अधिकारियों तक यह संदेश पहुंचाने को कहा कि दोनों देशों की सैन्य इकाइयों समुद्र में आवश्यक सावधानी बनाए रखें और लागू द्विपक्षीय समझौतों का सम्मान करें। 1991 का समझौता चर्चा में घटना के बाद अप्रैल 1991 के भारत-पाकिस्तान समझौते का अनुच्छेद 10 चर्चा में है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, इस प्रावधान में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दोनों देशों के नौसैनिक जहाजों और पनडुब्बियों के बीच कम से कम तीन समरी मील की दूरी

बनाए रखने का नियम शामिल है। इसका उद्देश्य समुद्री गतिविधियों के दौरान गलतफहमी और आक्रामक घटनाओं की संभावना कम करना है। बड़ा नुकसान या हताहत होने का सूचना नहीं भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, मीडिया रिपोर्टों में पाकिस्तानी जहाज को भारतीय जहाज की तुलना में अधिक नुकसान होने के अलग-अलग दावे सामने आए हैं। इसलिए नुकसान की विस्तृत स्थिति को लेकर आधिकारिक और पुष्ट जानकारी सामने आने तक सावधानी बरतना उचित होगा। उत्तरी अरब सागर में हुई नौसैनिक टकराव के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों ने औपचारिक राजनयिक विशेष दर्ज कराया है। घटना अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुई बताई गई है, लेकिन इसके कारण और जिम्मेदारी को लेकर दोनों देशों के आधिकारिक दावे अलग हैं। फिलहाल उपलब्ध जानकारी में किसी बड़े नुकसान या व्यापक सैन्य कार्रवाई की पुष्टि नहीं हुई है।

मक्का के पास ड्रोन गिराया, NSE IPO खुला, 1,700 1,785 का प्राइस बैंड सऊदी ने कहा 'रेड लाइन'

भारतार्थ खबर
Bhaarataraarth-com
रियाद, 17 सितंबर 2026 । सऊदी
अरब ने मक्का के दक्षिण में एक
झ्रोन को प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में एक
प्रवेश करने से पहले ही
रोककर नष्ट करने का दावा
किया है। सऊदी नेतृत्व वाले
सैन्य गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की
अल-मलिकी के अनुसार,
झ्रोन को 15 सितंबर की शाम
करीब 6:50 बजे रोका गया
और उसका मलबा मक्का के
दक्षिणी इलाक़े में गिरा।
सऊदी पक्ष ने झ्रोन को यमन
के हूती समूह से जुड़ा बताया
है। गठबंधन के प्रवक्ता ने
कहा कि मक्का और दोनों
पवित्र मस्जिदों के साथ
श्रद्धालुओं की सुरक्षा 'रेड
लाइन' है और ऐसी घटनाओं
को रोकने के लिए आवश्यक
कदम उठाए जाएंगे। उपलब्ध
रिपोर्टों के अनुसार, घटना में
मक्का के प्रमुख धार्मिक स्थलों
को नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं
है। हूतियों ने आरोप से खिंचा इनकार
सऊदी दावे के विपरीत हूती पक्ष ने
मक्का या किसी अन्य धार्मिक स्थल
को निशाना बनाने से इनकार किया
है। हूती प्रतिनिधि हेजाम अल-असद

ने सऊदी आरोप को खारिज करते हुए कहा कि मक्का को निशाना बनाने के दावे पहले भी किए जाते रहे हैं। इस तरह ज़ूइन की जिम्मेदारी और उसके लक्ष्य को लेकर दोनों खबर

मक्का के पास

पैके जाने से बढ़ी

सऊदी अरब ने दी क

स्थलों की
क्षेत्र पर
मझौता नहीं



आस्था की सुरक्षा
पूरी दुनिया की जिम्मेदारी

पक्षों के बयान अलग-अलग हैं। सऊदी गठबंधन ने इस घटना को 2017 में मक्का की ओर किए गए एक बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण के बाद पवित्र शहर को निशाना बनाने की दूसरी कथित कोशिश बताया

पर सैन्य कार्रवाई की है। मक्का इस्लाम का सबसे पवित्र शहर है और यहां स्थित मस्जिद अल-हराम तथा काबा के कारण दुनिया भर के मुसलमानों के लिए इसका अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक स्थान है। ऐसे में शहर के आसपास किसी भी सुरक्षा घटना को विशेष संवेदनशीलता के साथ देखा जाता है। सुरक्षा अलर्ट की के बीच बढ़ी सतर्कता ड्रोन घटना के बाद सऊदी अधिकारियों ने मक्का सहित कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा सतर्कता बढ़ाई। उपलब्ध रिपोर्टों में जेद्दा और ताइफ सहित अन्य इलाकों में भी सुरक्षा घटनाओं और अलर्ट का उल्लेख है। क्षेत्रीय तनाव के बीच सऊदी सुरक्षा एजेंसियां पवित्र स्थलों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे रही हैं। मक्का के दक्षिण में ड्रोन को रोके जाने की घटना की पुष्टि सऊदी पक्ष ने की है, लेकिन ड्रोन हूती समूह का था और उसका लक्ष्य मक्का थाकूइन दोनों दावों से हूती पक्ष ने इनकार किया है। इसलिए घटना की जिम्मेदारी को लेकर दोनों पक्षों के दावों को अलग-अलग समझना जरूरी है। फिलहाल किसी प्रमुख पवित्र स्थल को नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं है।

भारतार्थ खबर Bhaaraatan
मुंबई, 17 सितंबर 2026। नेशनल
एक्सचेंज ऑफ इंडिया (NSE) का
प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (IPO)
निवेशकों के लिए खुल गया। क
करोड़ का यह इश्यू देश के बड़े
निर्गमों में शामिल है। IPO के लिए
1,700 से 1,785 का प्राइस बैंड तय
है। सार्वजनिक सदस्यता 21 सितंबर
तक IPO पूरा तरह ऑफर फॉर
इसके तहत मौजूदा शेयरधारक NSE
बेच रहे हैं। इसलिए इस निर्गम से
राशि NSE के पास नई पूंजी के
जाएगी, बल्कि बिक्री करने वाले
शेयरधारकों को प्राप्त होगी। 12.64
शेयरों की पेशकश उपलब्ध जानकारी
प्च में मौजूदा शेयरधारकों की औसत
करोड़ तक इक्विटी शेयर बिक्री व
गए हैं। ऊपरी प्राइस बैंड पर इश्यू
करीब 22,562 करोड़ बैठता है और
अनुमानित मूल्यांकन लगभग 4.42
है। खुदरा निवेशकों के लिए एक
शेयर रखे गए हैं। ऊपरी प्राइस बैंड
पर एक लॉट के लिए न्यूनतम अ
14,280 होगी। डेरिवेटिव कारोबार
की नजर NSE की आय में इक्विटी
कारोबार की महत्वपूर्ण भूमिका रही
समय में ऑप्शन कारोबार की मा
और नियामकीय बदलावों के बीच
एक्सचेंज के भविष्य के कारोबार
मूल्यांकन को लेकर विभिन्न पहलुओं
रख रहे हैं। सॉफ्टर्स की रिपोर्ट
2024 के शिक्षक की तुलना में ऑप्शन
की मात्रा में कमी आई है छेम् ने अ

8-com
ल स्टॉक
दुप्रतीक्षित
रुवार से
22,562
वर्गजनिक
प्रति शेयर
किया गया
चलेगी।
ल है।
के शेयर
लने वाली
प में नहीं
मौजूदा
रोड़ तक
के अनुसार
से 12.64
लिए रखे
का मूल्य
NSE का
करोड़
लॉट में 8
के आधार
दन राशि

में विधता बढ़ाने के लिए विजली और प्राकृतिक गैस याचदा जैसे उत्पादों के साथ इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिस्सीट सहित विभिन्न क्षेत्रों

बड़ी खबर

NSE का IPO

आज से शुरू

निवेशकों की नजर बाजार पर

प्राइस बैंड

₹1,700 - ₹1,785

प्रति शेयर

कुल आकार

₹20,000 करोड़+

(करीब 2.3 अरब डॉलर)

- ✓ भारत के सबसे बड़े IPO में शामिल
- ✓ मौजूदा शेयरधारकों की हिस्सेदारी विक्री
- ✓ निवेशकों की बड़ी दिलचस्पी
- ✓ भारतीय पूंजी बाजार के लिए अहम मौका





मजबूत
पूंजी बाजार



नए अवसर
निवेशकों के लिए



आत्मनिर्भर
वित्तीय प्रवृत्ति



विभा

में विस्तार किया है। इन पहलों का उद्देश्य एक्सचेंज के कारोबार को अलग-अलग बाजार क्षेत्रों तक विस्तारित करना है। एंकर निवेशकों से 6,746 करोड़ जुटाए IPO खुलने से पहले 16 सितंबर को छै न एंकर निवेशकों को करीब 6,746 करोड़ के शेयर आवंटित किए। इन शेयरों का आवंटन 1,785 प्रति शेयर की ऊपरी कीमत पर किया गया। एंकर निवेशकों में एलआईसी, नॉर्वे के सरकारों पेंशन फंड, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और फिडेलिटी जैसे

कार्यक्रम सितंबर है। NSE पर अब है। सदस्य डेरिवेटिव बाद बाजार रहेंगे। I लिए संबं अध्यक्ष

भारतार्थ खबर

खबर नहीं, उसका अर्थ

A STRONGER MARKET
A BRIGHTER INDIA

IPO

INVEST
GROW
PROSPER

INDIA

भारतार्थ खबर

खबर नहीं, उसका अर्थ



</

बेंगलुरु, शुक्रवार , 18 सितम्बर 2026

दक्षिणांचल समाचार

Bhaarataarth.com

3

उत्तम क्षमा से आत्मशुद्धि का संदेश तपस्वियों का पारणा, दुर्गानी परिवार ने लिया लाभ

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth-com
बेंगलुरु, 17 सितंबर 2026। दिगंबर जैन समाज के दशलक्षण महापर्व का शुभारंभ गुरुवार को श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण में हुआ। महापर्व के प्रथम दिवस पर नियामक श्रमण मुनि श्री 108 वीरसागर जी महाराज ने उत्तम क्षमा धर्म पर मंगल प्रवचन देते हुए क्रोध, अहंकार, अपेक्षा और वैरभाव से ऊपर उठकर आत्मनिरीक्षण एवं आत्मशुद्धि की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया। दशलक्षण महापर्व दिगंबर जैन परंपरा का महत्वपूर्ण आध्यात्मिक पर्व है। दस दिवसीय इस साधना क्रम में उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आज्ञा, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकित्य और उत्तम ब्रह्मचर्य का चिंतन किया जाता है। इसका उद्देश्य धर्म के इन स्वरूपों को समझने के साथ उन्हें जीवन-व्यवहार



बताया। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां हमेशा व्यक्ति की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं होतीं। अपमान, असहमति अथवा अपेक्षा पूरी न होने पर उत्पन्न क्रोध को लंबे समय तक मन में रखना अंततः व्यक्ति के लिए अशांति का

कारण बनता है। प्रवचन में आत्मनिरीक्षण पर जोर देते हुए यह संदेश दिया गया कि क्रोध के पीछे अक्सर अहंकार, अपेक्षा, आसक्ति और राग-द्वेष जैसी भावनाएं सक्रिय रहती हैं। इसलिए केवल क्रोध को दबाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके मूल कारण को समझना आवश्यक है। क्षमा कमजोरी नहीं, आत्मसंयम मुनि श्री ने क्षमा को कमजोरी या विवशता मानने के बजाय आत्मसंयम और विवेक से जोड़ते हुए समझाया कि वास्तविक क्षमा तब प्रकट होती है, जब व्यक्ति प्रतिक्रिया देने की क्षमता रखते हुए भी क्रोध को स्वयं पर हावी नहीं होने देता। उन्होंने आत्मचिंतन के माध्यम से स्वयं से प्रश्न करने की प्रेरणा दी कि क्रोध किस कारण उत्पन्न हुआ, कौन-सी अपेक्षा पूरी नहीं हुई और किस बात से अहंकार को ठेस

पहुंची। ऐसी आत्मपरीक्षण की प्रक्रिया व्यक्ति को अपने भीतर के भावों को पहचानने में सहायक हो सकती है। व्यवहार में उतारने का संदेश प्रवचन में दैनिक जीवन में उत्तम क्षमा के अभ्यास के व्यावहारिक पक्ष पर भी जोर दिया गया। क्रोध की स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया से बचना, कुछ समय मौन रहना, वाणी पर संयम रखना और विषय पर शांत मन से विचार करना पारिवारिक एवं सामाजिक विवादों को बढ़ने से रोकने में सहायक हो सकता है। संदेश दिया गया कि किसी व्यक्ति के अनुचित व्यवहार को स्वीकार करना उसके व्यवहार का समर्थन करना नहीं है। इसका अर्थ अपने भीतर उस घटना के प्रति स्थायी वैरभाव को स्थान न देना है। दशलक्षण महापर्व के प्रथम दिवस का मंगल प्रवचन डिजिटल माध्यमों से भी श्रद्धालुओं तक पहुंचा। भारत के विभिन्न क्षेत्रों के साथ विदेशों में रहने वाले जैन

परिवारों एवं श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन प्रसारण के माध्यम से प्रवचन से जुड़कर आध्यात्मिक कार्यक्रम में सहभागिता की। महापर्व के दौरान विभिन्न जैन मंदिरों एवं केंद्रों पर प्रवचन, स्वाध्याय, पूजा-अनुष्ठान, व्रत, तप, सामायिक, ध्यान और आत्मचिंतन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। क्षमावाणी की ओर बढ़ता साधना क्रम दशलक्षण महापर्व की साधना क्षमावाणी की भावना को भी गहरा करती है। मिच्छामि दुक्कळं की भावना मन, वचन और काया से हुई ज्ञात-अज्ञात भूलों के लिए क्षमा-याचना तथा सभी जीवों के प्रति मैत्रीभाव का संदेश देती है। प्रथम दिवस का उत्तम क्षमा धर्म इसी आत्मशुद्धि की यात्रा का प्रारंभिक चरण है। इसका मूल संदेश क्रोध से शांति, वैर से मैत्री और आत्म-अशांति से आत्मनिरीक्षण की ओर बढ़ने का है। समाचार प्रेषकरु विपिन कुमार जैन, बेंगलुरु।

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth-com
मदुरै, 17 सितंबर 2026। पर्वधिराज पुरुषण महापर्व के दौरान तप आराधना करने वाले तपस्वी महानुभावों का पारणा बुधवार को मदुरै में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। पारणा का लाभ बाकरा निवासी ललित कुमार शेषमलजी दुर्गानी परिवार, मदुरै को प्राप्त हुआ। प.पू. साध्वी श्री आज्ञानिधि श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-6 की पावन निश्रा तथा श्री सुमतिनाथजी जैन मंदिर ट्रस्ट, मदुरै के मार्गदर्शन में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में तपस्वियों ने अपनी तप आराधना पूर्ण करने के बाद पारणा ग्रहण किया। श्री संघ प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि बुधवार सुबह 7:30

बजे श्री राजेंद्र भवन, मदुरै में पारणा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने तपस्वियों की सेवा-सुश्रूषा करते हुए उनके तप,

की उपस्थित श्रद्धालुओं ने अनुमोदना की तथा उनके तपोबल और धर्म आराधना के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री सुमतिनाथ जैन संघ के ट्रस्ट मंडल एवं श्री मदुरै जैन नवयुवक मंडल के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर सुश्रेष्ठमा पटियात, जवेरीलाल बाफना, सायरमल भंडारी, पारसमल



त्याग और संयम की अनुमोदना की। श्रीमती ढेलीदबी-पुखराजजी दुर्गानी परिवार की ओर से पारणा का लाभ लिया गया। लाभार्थी परिवार में शा. ललितकुमार एवं संगीतादेवी दुर्गानी, बाकरा-मदुरै सहित परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। पुरुषण महापर्व के दौरान कठिन तप, त्याग और संयम की आराधना करने वाले सभी तपस्वी महानुभावों

बंदामुथा, अशोक जैन, जुगराज जैन, माणकचंद जैन, किशोर बालड, उत्तम मेहता, भबूतमल जैन, पवन मेहता, उत्तम जैन, मुकेश जैन, दिनेश सालेचा, कमलेश पटियात, महिपाल सदानी, पप्पू पटियात, जैकी जैन, अर्जुन जैन और चेतन पटियात सहित श्री संघ के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समाचार प्रेषकरु दिनेश सालेचा, मदुरै, तमिलनाडु।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर प्रल्हाद जोशी की मीडिया से बातचीत

भारतार्थ खबरBhaarataarth-com
हुबली, 17 सितंबर 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरुवार को हुबली स्थित अपने कार्यालय में मीडिया से बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन 17 सितंबर को मनाया जा रहा है। इस अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, प्रधानमंत्री के जन्मदिन के साथ सेवा गतिविधियों से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। हुबली में मीडिया से बातचीत के दौरान प्रल्हाद जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और सरकार की विभिन्न पहलों से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी। उन्होंने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घ सार्वजनिक जीवन का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और अन्य सार्वजनिक व्यक्तियों की ओर से भी शुभकामनाएं दी गई हैं। जोशी ने इस अवसर पर केंद्र सरकार की नीतियों, विकास कार्यक्रमों तथा सेवा गतिविधियों से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में जनभागीदारी और सामाजिक सेवा गतिविधियों को प्रमुखता दिए जाने की जानकारी सामने आई है।

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth-com
तुमकुरु/तिप्पूर, 17 सितंबर 2026। एटिनाहोल पेयजल परियोजना के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए राज्य के जल संसाधन मंत्री एन. चालुवरायस्वामी ने गुरुवार को तिप्पूर के निकट चौडलापुरा में परियोजना के पैकेज-18 तथा तिप्पूर बाईपास के पास निर्माणाधीन 'एलिवेटेड ट्रफ' का स्थल निरीक्षण किया। मंत्री ने अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्धारित समयसीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने परियोजना की प्रगति का मौके पर निरीक्षण करते हुए कहा कि काम में अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से तिप्पूर बाईपास के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर चल रहे एलिवेटेड ट्रफ

के काम को अक्टूबर के अंत तक पूरा करने के निर्देश दिए। पैदल

वाहन से पहाड़ी क्षेत्र तक पहुंचने के बाद एक किलोमीटर से अधिक दूरी



पहुंचकर लिया काम का जायजा परियोजना की वास्तविक स्थिति देखने के लिए मंत्री ने विभागीय

पैदल तय कर चौडलापुरा के करीब 127 से 137 किलोमीटर क्षेत्र में चल रहे विभिन्न कार्यों का निरीक्षण

किया। बताया गया कि मंत्री के पैर में दर्द होने के बावजूद उन्होंने स्थल पर जाकर निर्माण की प्रगति देखी। चौडलापुरा पैकेज में 86 प्रतिशत काम पूरा अधिकारियों के अनुसार चौडलापुरा क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण से संबंधित दस्तावेजों की कमी के कारण करीब दो वर्षों तक काम प्रभावित रहा था। अब संबंधित बाधाएं दूर होने के बाद निर्माण कार्य फिर गति पकड़ चुका है। इस पैकेज में करीब 22 मीटर गहरे कट का निर्माण किया गया है और लाइनिंग का काम

जारी है। हाईवे के समीप कट एंड कवर कार्य भी किया गया है। अधिकारियों के अनुसार करीब 606 करोड़ रुपये की लागत वाले इस पैकेज का लगभग 86 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है तथा निर्माण कार्य लगातार कई शिफ्टों में जारी है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चौडलापुरा से तुमकुरु तक संबंधित हिस्से में शेष कार्य को अक्टूबर के दौरान पूरा करने की दिशा में तेजी से काम किया जाए। तिप्पूर बाईपास के पास राष्ट्रीय राजमार्ग के ऊपर एटिनाहोल का पानी ले जाने के लिए बनाए जा रहे एलिवेटेड ट्रफ का भी मंत्री ने निरीक्षण किया। इस कार्य में लंबे समय से हो रही देरी पर उन्होंने अधिकारियों से जानकारी ली और समयबद्ध तरीके से निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि

राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माण कार्य होने के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अक्टूबर के अंत तक काम पूरा करने की समयसीमा बताते हुए कहा कि यदि निर्धारित अवधि के बाद भी देरी हुई तो संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान हासन जिले के प्रभारी मंत्री शिवलिंगगौड़ा, तिप्पूर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शदाक्षरी तथा जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। एटिनाहोल परियोजना की प्रगति को लेकर राज्य स्तर पर लगातार समीक्षा की जा रही है। 17 सितंबर की एक स्थानीय रिपोर्ट में भी परियोजना के कार्य को जल्द पूरा करने के लिए निर्देश दिए जाने की जानकारी सामने आई है।

विमलनाथ जिनालय का द्वारोद्घाटन, संवत्सरी पर क्षमाभाव का संदेश

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth-com
बेंगलुरु, 17 सितंबर 2026। पर्वधिराज पुरुषण महापर्व के अंतर्गत संवत्सरी प्रतिक्रमण के पश्चात बसवनगुडी स्थित श्री विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी का द्वारोद्घाटन बुधवार को भक्तिमय वातावरण में हुआ। पूज्य गुरुदेव श्री मलयप्रभ सागर जी म. सा., साध्वी जी डॉ. प्रियश्रद्धांजना श्री जी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में पारसमल-मिश्रीमल कातरेला परिवार की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। द्वारोद्घाटन के अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान विमलनाथ



संयम, स्वाध्याय, साधना और प्रतिक्रमण के माध्यम से आत्मचिंतन एवं आत्मशुद्धि की भावना को आगे

बढ़ाया। संवत्सरी महापर्व के अवसर पर भगवान महावीर की मूल वाणी 'बारसा सूत्र' बाबूलाल-प्रकाशचंद

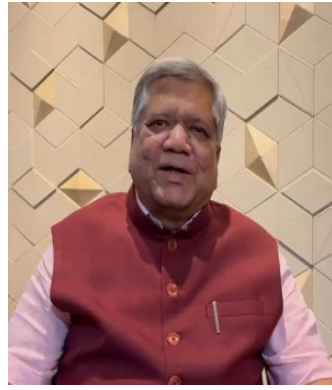
पौष, धार्मिक आराधना, प्रतिक्रमण और आत्मावलोकन सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी एवं महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने गुरुदेव, गुरुवर्या श्री जी तथा समस्त संघ के साथ वर्षभर में मन, वचन और काया से हुई भूलों के लिए परस्पर क्षमायाचना की। श्रद्धालुओं ने 'मिच्छामि दुक्कळं' के माध्यम से क्षमा, मैत्री और आत्मशुद्धि का संदेश आत्मसात किया। ट्रस्ट से जुड़े ललित डाकलिया ने बताया कि आयोजन के दौरान दादावाड़ी परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजता रहा। भगवान विमलनाथ की भक्ति और आराधना में श्रद्धालुओं

ने सहभागिता की। उन्होंने कहा कि पुरुषण महापर्व का उद्देश्य धार्मिक अनुष्ठानों के साथ आत्मचिंतन, संयम, त्याग और सद्गुणों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा देना भी है। कार्यक्रम में श्री जिन कुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी, बेंगलुरु के अध्यक्ष तेजराज मालानी, उपाध्यक्ष बाबूलाल भंसाली, तनसुखराज गुलेच्छा, संघवी तेजराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रंजीत ललवानी, पूर्व अध्यक्ष निर्भयलाल गुलेच्छा, महेंद्र कुमार रांका सहित ट्रस्ट एवं दादावाड़ी से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं की सक्रिय सहभागिता और धार्मिक आयोजनों से पूरा परिसर श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहा। समाचार प्रेषक ललित डाकलिया, बेंगलुरु।

शेड्वार ने अनंत नाग को दी बधाई

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth-com
हुबली, 17 सितंबर 2026। पूर्व मुख्यमंत्री एवं बेगलवादी से सांसद जगदीश शेड्वार ने गुरुवार को हुबली स्थित अपने आवास पर वरिष्ठ कन्नड़ अभिनेता अनंत नाग को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार के लिए चयनित होने पर बधाई दी। भारत सरकार ने 16 सितंबर को अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में उनके दीर्घ योगदान के लिए दादासाहेब फाल्के पुरस्कार 2024 के लिए चुने जाने की घोषणा की थी। यह सम्मान 22 सितंबर 2026 को गुजरात के केवड़िया में आयोजित 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जाना है। अनंत नाग यह

प्रतिष्ठित सम्मान पाने वाले दूसरे कन्नड़ कलाकार होंगे। उनसे पहले

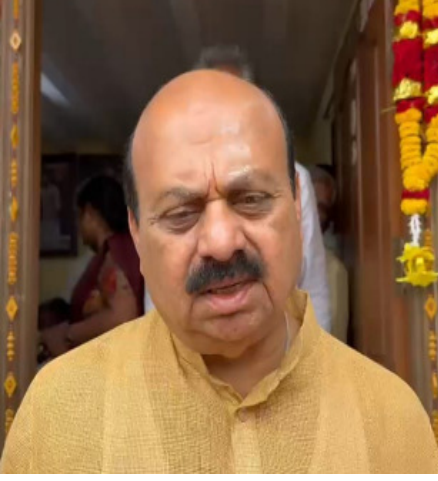


डॉ. राजकुमार को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। अनंत नाग का फिल्मी सफर पांच दशक से अधिक का रहा है

और उन्होंने कन्नड़ के साथ हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की फिल्मों एवं टेलीविजन में भी अभिनय किया है। शेड्वार ने अनंत नाग को इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए शुभकामनाएं देते हुए कन्नड़ सिनेमा और भारतीय फिल्म जगत में उनके योगदान का उल्लेख किया। अनंत नाग ने पुरस्कार की घोषणा के बाद यह सम्मान कर्नाटक और कन्नड़ भाषी लोगों को समर्पित करने की बात कही है। अनंत नाग को 2025 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया था। उनके पांच दशक से अधिक लंबे अभिनय करियर में 300 से अधिक फिल्मों में काम करने के साथ थिएटर और टेलीविजन में भी महत्वपूर्ण योगदान शामिल है।

मोदी के नेतृत्व पर बोम्मई का दावा, भारत बना चौथी आर्थिक ताकत तपस्वियों का सामूहिक पारणा, हरण परिवार ने लिया लाभ

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth-com
हुबली, 17 सितंबर 2026। पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद बसवनगुडा बोम्मई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर उनके नेतृत्व में भारत की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में देश दुनिया की चौथी बड़ी आर्थिक ताकत बना है। बोम्मई ने यह बात हुबली में मीडिया से बातचीत के दौरान कही। बोम्मई ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की कमान संभाली, उस समय भारत विभिन्न आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से गुजर रहा था। उनके अनुसार, पिछले वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था और विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव हुए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार के प्रयासों से करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। हालांकि, अर्थव्यवस्था की वैश्विक रैंकिंग अलग-अलग समय और स्रोतों के अनुमानों के आधार पर बदल



उल्लेख किया गया है, जबकि उसी विश्लेषण में वैश्विक जीडीपी रैंकिंग को लेकर हालिया बदलावों की भी चर्चा है। 'सबका साथ, सबका विकास' पर जोर बोम्मई ने प्रधानमंत्री मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' और 'सबका प्रयास' के मंत्र का

उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की दिशा में आगे बढ़ना है। उन्होंने लोगों से आत्मनिर्भर भारत और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में सहभागी बनने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन का भी उल्लेख किया गया। बोम्मई ने मंदिरों में प्रार्थना, शाम को दीप प्रज्वलन तथा एक महीने तक चलने वाले 'सेवा संकल्प' कार्यक्रमों की बात कही। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा गतिविधियों से जुड़े कार्यक्रमों की घोषणा भी की गई है। बोम्मई ने कहा कि आने वाले समय में देश को आत्मनिर्भर बनाने और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth-com
मदुरै, 17 सितंबर 2026। पर्वधिराज पुरुषण पर्व के पावन अवसर पर तप आराधना करने वाले तपस्वी महानुभावों का सामूहिक पारणा बुधवार को यतीन्द्र भवन, मदुरै में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। प.पू. साध्वी श्री आज्ञानिधि श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-6 की पावन निश्रा में तथा श्री सौंचा सुमतिनाथ राजेंद्रसूरी जैन श्वेतांबर ट्रस्ट के आदेशानुसार आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं एवं समाजजनों ने भाग लिया। श्री संघ प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि पुरुषण पर्व के दौरान विभिन्न प्रकार की तप आराधना करने वाले तपस्वी महानुभावों ने सामूहिक पारणा में विधिवत आहार ग्रहण किया। तपस्या पूर्ण होने के बाद आयोजित इस पारणा कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने तपस्वियों की सेवा-सुश्रूषा करते हुए

उनकी कठिन साधना की अनुमोदना की। हरण परिवार को मिला पारणा का लाभ श्रीमती



शान्तिदेवी-धेवरचंदजी हरण परिवार, नरताडूमदुरै को प्राप्त हुआ। हरण परिवार ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ

तपस्वी महानुभावों का पारणा करवाया और धार्मिक आयोजन में अपनी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान पूरे यतीन्द्र भवन परिसर

तपस्या की अनुमोदना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर धर्म आराधना की मंगलकामना की। समाज में तप-त्याग की भावना को

मिला संबल पुरुषण पर्व की तप आराधना के उपरान्त हुए सामूहिक पारणा ने समाज में संयम, त्याग,

तप और धर्म आराधना की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। तपस्वियों के प्रति सम्मान और उनकी साधना की अनुमोदना के साथ समाजजनों ने धार्मिक संस्कारों को आगे बढ़ाने का संकल्प भी व्यक्त किया। आयोजन में श्री महावीर जैन सेवा मंडल, बालिका मंडल सहित नगर के विभिन्न मंडलों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में मीठालाल संखलेचा, बगदावरमल हरण, शिवराज भंडारी, रमेशकुमार हरण, रतनचंद संखलेचा, विजयराज गुलेच्छा, मनोहरमल जैन, सायरमल जैन, हेमराज शाहजी, उत्तमचन्द्र हरण, मुकेश हरण सहित श्री संघ के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सामूहिक पारणा के माध्यम से तपस्वियों की साधना की अनुमोदना के साथ पुरुषण पर्व के आध्यात्मिक संदेशकुआत्मसंयम, त्याग और धर्म आराधनाकृको समाज के बीच व्यापक रूप से आगे बढ़ाया गया। समाचार प्रेषक दिनेश सालेचा मदुरै तमिलनाडु।

